सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 198 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 24 अगस्त, 2023
मूल्य ₹ 3/-

दुनिया की सबसे खूबसूरत चीजें ना ही देखी जा सकती हैं और ना ही छुई, उन्हें बस दिल से महसूस किया जा सकता है।

-हेलेन केलर

शुभमन गिल ने विराट कोहली... 7 | तो इस बार बदलेगा राजस्थान में... 3 | यूपी में पुलिस ने अपराधियों के... 2

मणिशंकर के बयान पर मचा बवाल, बोले

राम मंदिर का ताला खोलना गलती

» भाजपा-कांग्रेस ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी

» अपनी आत्मकथा 'मेमोयर्स ऑफ ए मेवरिक- द फर्स्ट फिफ्टी इयर्स' लॉन्च की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर की नई किताब 'मेमोयर्स ऑफ ए मेवरिक- द फर्स्ट फिफ्टी इयर्स' लॉन्च होने के बाद से सुर्खियों में आ गई है। उसमें लिखी कई बातें चर्चा का विषय बन गई हैं। इस बीच किताब की लॉन्चिंग के बाद अय्यर ने साक्षात्कार भी दिया। इस इंटरव्यू से उन्होंने कांग्रेस को भी असहज कर दिया है। हालांकि कांग्रेस ने इस पर कुछ भी प्रतिक्रिया नही दी है। वहीं भाजपा ने भी उनकी व्यक्तिगत बाते बताकर पल्ला झाड़ लिया। पुस्तक के औपचारिक विमोचन के अवसर पर अय्यर ने कई मुद्दों पर बात की।

बता दें कि अपनी किताब में अय्यर ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ अपने संबंधों से लेकर दिसंबर 1978 से जनवरी 1982 तक कराची में महावाणिज्य दूत के रूप में उनके कार्यकाल का जिक्र किया है। सवाल-जवाब सत्र के दौरान जब अय्यर से राम मंदिर मसले से निपटने में राजीव गांधी की आलोचना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा मुझे लगता है कि शिलान्यास गलत था। मुझे लगता है कि राजीव गांधी ने जो सबसे बड़ी गलती की, वह भयानक थी। इस दौरान दर्शकों के बीच कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख और राजीव गांधी की पत्नी सोनिया गांधी भी मौजूद थीं।

सांप्रदायिक थे पीवी नरसिम्हा राव

अय्यर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव सांप्रदायिक थे और उन्हें देश का पहला भाजपा प्रधानमंत्री बताया। अय्यर ने राव के साथ उस समय हुई बातचीत का जिक्र किया जब वो राम-रहीम यात्रा निकाल रहे थे। अय्यर ने कहा, नरसिम्हा राव ने मुझसे कहा कि उन्हें मेरी यात्रा पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन वह धर्मनिरपेक्षता की मेरी परिभाषा से असहमत थे। मैंने बताया कि धर्मनिरपेक्षता की मेरी परिभाषा में क्या गलत है। उन्होंने कहा कि मणि तुम यह नहीं समझते कि यह एक हिंदू देश है। मैं अपनी कुर्सी पर बैठ गया और कहा कि भाजपा बिल्कुल यही कहती है, इसलिए भाजपा के पहले प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी नहीं थे, भाजपा के पहले प्रधानमंत्री राव थे। राव ने कांग्रेस सरकार का नेतृत्व किया और 1991 से 1996 तक भारत के नौवें प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया।

सोनिया गांधी के कारण पार्टी में बचा रहा

अय्यर ने राजीव गांधी की मृत्यु के बाद राजनीति में कदम रखने के लिए समर्थन का स्तंभ होने के लिए सोनिया गांधी की भी सराहना की। पूर्व राजनयिक, जिनकी आत्मकथा मेमोयर्स ऑफ ए मेवरिक- द फर्स्ट फिफ्टी इयर्स (1941-1991) सोमवार को प्रदर्शित हुई। इसी दौरान पाकिस्तान के साथ बातचीत फिर से शुरू करने की वकालत करते हुए कहा गया कि जब उस देश की बात आती है,हमारे पास उनके खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक करने का साहस है लेकिन हमारे पास मेज पर बैठकर किसी पाकिस्तानी से बात करने का साहस नहीं है। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख और राजीव गांधी की पत्नी सोनिया गांधी दर्शकों में मौजूद थीं। जगरनॉट बुक्स द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक, वेल्हम प्रिपरेटरी स्कूल से दून स्कूल और फिर सेंट स्टीफंस कॉलेज और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय तक, और संवेदनशील कार्यभार संभालने वाले एक शीर्ष राजनयिक से लेकर तत्कालीन प्रधान मंत्री राजीव गांधी के प्रमुख सहयोगी तक, जिन्हें मणि फ्राइडे करार दिया गया था।

मुश्किल है जज्बात बताना : इसरो प्रमुख

» दक्षिणी ध्रुव में ज्यादा संभावना इसलिए वहीं भेजा चंद्रयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा, यह वर्णन करना बहुत मुश्किल है कि मन में क्या चल रहा था, यह खुशी हो सकती है, यह उपलब्धि का सार हो सकता है और योगदान देने वाले सभी लोगों को धन्यवाद।

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने इसरो चीफ को पगड़ी पहनाकर किया सम्मानित

चंद्रयान-3 की चांद पर सफल लैंडिंग के बाद वैज्ञानिकों को लगातार बधाई दी जा रही है। इसी क्रम में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया इसरो के सेंटर पहुंचे जहां उन्होंने इसरो चीफ एस सोमनाथ को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया और बधाई दी। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने चंद्रयान-3 के चांद की सतह पर सफल लैंडिंग पर कहा, मुझे उस महान क्षण को देखकर बहुत गर्व हो रहा है जिसमें भारतीय विज्ञान में इतिहास रचा है, भारत ने दिखाया है कि वह दुनिया की ज्ञान राजधानी है, इस सफलता की कहानी के लिए पूरी टीम ने काम किया है, हमें इस महान क्षण पर बहुत गर्व है, हम सभी ने खुशी साझा की, अगली पीढ़ी निश्चित रूप से इसे आगे बढ़ाएगी।

रोवर प्रज्ञान ने शुरू किया काम, लैंडर विक्रम कर रहा निगरानी

चंद्रयान 3 का छह पहियों पर चलने वाला रोवर अगले 14 दिन तक चंद्रमा की सतह पर विभिन्न प्रयोग करेगा। लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान - दोनों की मिशन लाइफ़-1 चंद्र दिवस की है, जो पृथ्वी के 14 दिन के बराबर होता है। बुधवार को विक्रम की लैंडिंग के बाद रोवर प्रज्ञान उससे बाहर निकलकर चांद की सतह पर पहुंच चुका है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने गुरुवार सुबह ताज़ातरीन अपडेट साझा किया। और ट्वीट में लिखा, चंद्रयान 3 रोवर, मेड इन इंडिया, मेड फॉर मून...!

इसरो चांद के साउथ पोल पर क्या खोजेगा, एस सोमनाथ ने बताया

इसरो चीफ एस सोमनाथ ने कहा, हम दक्षिणी ध्रुव के करीब पहुंच गए हैं, जो लगभग 70 डिग्री पर है, सूर्य से कम रोशनी होने के संबंध में दक्षिणी ध्रुव को एक विशिष्ट लाभ है।

उन्होंने कहा कि वहां परअधिक वैज्ञानिक सामग्री होने की संभावना है, चंद्रमा पर काम कर रहे वैज्ञानिकों ने दक्षिणी ध्रुव में बहुत रुचि दिखाई क्योंकि अंतत: मनुष्य वहां जाकर उपनिवेश बनाना चाहते हैं और फिर उससे आगे की यात्रा करना चाहते हैं, तो सबसे अच्छी जगह वह है जिसकी हम तलाश कर रहे हैं और दक्षिणी ध्रुव में वह होने की क्षमता है।

यूपी में पुलिस ने अपराधियों के सामने डाले हथियार : अखिलेश

» मध्य प्रदेश चुनाव के लिए सपा ने घोषित किए चार प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने कहा सुरक्षा ध्वस्त है। पुलिस-प्रशासन ने अपराधियों के आगे पूरी तरह हथियार डाल दिए हैं। जौनपुर में प्रयागराज विश्वविद्यालय के छात्र नेता सतीश यादव की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। गोरखपुर में जमानत पर जेल से छूटे युवक ने तीन साल की बच्ची का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी।

अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री दूसरे राज्यों में जाकर झूठा दावा करते हैं कि उत्तर प्रदेश में आधी रात को भी कोई महिला कहीं आ जा सकती है। हकीकत में तो किसी महिला का अपने गांव-मुहल्ले में भी निकलना सुरक्षित नहीं है। पुलिस सत्ता के इशारे पर अपराधियों को रोकने के बजाय निर्दोष लोगों को फर्जी मुकदमों में फंसाकर प्रताड़ित करती है। उधर, सपा ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपने चार प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। निवाड़ी सीट से पूर्व विधायक मीरा दीपक यादव, राजनगर से बृजगोपाल पटेल, भांडेर आरक्षित सीट से सेवानिवृत्त जिला जज आरडी राहुल अहिरवार और मेहगांव से डॉ. बृजकिशोर सिंह गुर्जर को अपना प्रत्याशी बनाया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री रामजीलाल बरी

पूर्व केंद्रीय मंत्री रामजीलाल सुमन के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनकी धर्मपत्नी के व्यक्तिगत जीवन के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मुकदमा दर्ज हुआ था। एमपी, एमएलए कोर्ट/ अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट इंद्रेश के न्यायालय ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में पूर्व केंद्रीय मंत्री को दोषमुक्त कर दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार प्रभारी वीडियो अवलोकन टीम 79 सादाबाद सुबोध कुमार पाठक ने थाना सादाबाद में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि सात अप्रैल 2019 को सादाबाद के छाबी मियां के बाग में सपा गठबंधन प्रत्याशी रामजीलाल सुमन द्वारा की गई सभा के भेजे गए वीडियो विलप के अवलोकन करने से संज्ञान में आया कि सुमन द्वारा आदर्श आचार संहिता लागू होते हुए भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनकी धर्मपत्नी के व्यक्तिगत जीवन पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। यह टिप्पणियां आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन थीं।

2024 में भाजपा सत्ता में आई तो बदल दिया जाएगा संविधान : नोमानी

» ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने की देबराय के लेख की आलोचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के कार्यकारिणी सदस्य एवं इस्लामिक स्कॉलर मौलाना खलीलुर्रहमान सज्जाद नोमानी ने कहा कि अगर 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनती है तो देश का संविधान बदल दिया जाएगा। मौलाना ने कहा कि केन्द्र सरकार के आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन विवेक देबरॉय के लेख ने भाजपा सरकार की मंशा को पुख्ता कर दिया है।

मौलाना नोमानी ने बयान जारी कर कहा कि पहले जब बुद्धिजीवी वर्ग कहता था कि अगर बीजेपी सत्ता में आती है तो संविधान बदल देगी। तब लोग उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेते थे। मौलाना ने कहा कि केन्द्र सरकार के आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन विवेक देबरॉय का आर्टिकल 15 अगस्त को छपा था, जिसमें उन्होंने कहा कि अब संविधान बदलने पर विचार करना चाहिए और देश के लिए नया संविधान पेश करना चाहिए। उनके लेख के बाद अब कोई शंका नहीं रह गई।

जदयू का अब किसी पार्टी में विलय नहीं : ललन सिंह

» मुंबई बैठक से पहले 18 प्रदेशों के अध्यक्ष घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विलय की बार-बार उठती अफवाहों को सिरे से नकारते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने पूर्व अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सलाह पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सूची जारी करते हुए 18 राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों की भी अपडेट सूची जारी कर दी है। नीतीश ने 23 जून को बिहार में देशभर से भाजपा-विरोधी दलों का जुटान किया था, जो अब इंडिया गठबंधन के रूप में सामने आ चुका है। इस गठबंधन की अगली बैठक महाराष्ट्र में होने वाली है। बिहार से बाहर अन्य राज्यों में जदयू की दावेदारी के लिहाज से उस बैठक के पहले राष्ट्रीय कार्यकारिणी के साथ प्रदेश अध्यक्षों की जारी यह सूची मायने रखेगी।

जदयू की ओर से बुधवार को जारी राष्ट्रीय

कार्यकारिणी की सूची में 18 राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष का नाम जारी किया गया। कई राज्यों में इनके साथ प्रदेश संयोजक का भी नाम जारी किया गया। रूही तागुंग को अरुणाचल प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। परेश नाथ को असम का प्रदेश संयोजक बनाया गया है। उमेश सिंह कुशवाहा बिहार प्रदेश अध्यक्ष कायम रहेंगे। छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष माता मणि तिवारी और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार का नाम सूची में है।

वैज्ञानिकों के सकुशल धरती पर आने का पूरा देश करे स्वागत : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओम प्रकाश राजभर का बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पर लोग खूब मजे ले रहे है। चंद्रयान की लैंडिंग से पहले राजभर ने कुछ ऐसा बोल दिया जिसको लेकर खूब ट्रोल हो रहे हैं। राजभर ने कहा- 'मैं भारत के उन वैज्ञानिकों को धन्यवाद देता हूं जो दिन प्रतिदिन रिसर्च करके नई खोज कर रहे हैं।

चंद्रयान-3 के लिए हम उनको बधाई देते हैं। चंद्रयान 3 के वैज्ञानिकों का सकुशल धरती पर आने का समय है। आने के बाद उसका स्वागत पूरे देश को करना चाहिए। बता दें कि चंद्रयान-3 बुधवार शाम चांद की सतह पर पहुंचा तो पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ गई। बता दें कि ओम प्रकाश राजभर अक्सर अपने बड़बोलेपन और बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने कुछ ऐसा बोल दिया है कि सोशल मीडिया पर अब उनका ही मजाक बनना शुरू हो गया है।

नाम बदलने से नहीं बदलेगा इतिहास : फारुख अब्दुल्ला

» जब बच्चे पूछेंगे ताजमहल किसने बनवाया तो फिर क्या कहेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। केंद्र सरकार जवाहर लाल नेहरू और शेख अब्दुल्ला के नाम पर रखे गए संस्थानों के नाम तो बदल रही है लेकिन क्या इतिहास से इनको मिटा सकती है। उन्होंने पाठ्यपुस्तकों से मुगल शासन पर अध्याय तो हटा दिए लेकिन वह इतिहास से मुगलों को कैसे मिटाएंगे? जब मेरे और आपके बच्चे ताज महल देखेंगे तो पूछेंगे कि इसे किसने बनवाया तो क्या कहेंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में एनसी संस्थापक और उनके पिता शेख अब्दुल्ला के नाम पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का नाम बदलने के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह सब कहा।

श्रीनगर से लोकसभा सांसद ने कहा कि

शेख मोहम्मद अब्दुल्ला लोगों के दिलों में रहते हैं। वे उन्हें वहां से नहीं हटा सकते। बता दें कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर से शेख अब्दुल्ला का लोकप्रिय नाम शेर हटा दिया है। दिल्ली में 14 अगस्त से आधिकारिक तौर पर नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय (एनएमएमएल) का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय सोसायटी कर दिया गया है।

आज भी अजित पवार एनसीपी में : सुप्रिया

» बोलीं- पार्टी में कोई टूट नहीं, शरद पवार राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एनसीपी नेता और सांसद ने गुरुवार को एक अहम बात कही है। उन्होंने कहा कि एनसीपी (एनसीपी) में कोई टूट नहीं। वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि डिप्टी सीएम अजित पवार एनसीपी के वरिष्ठ नेता। अजित पवार ने बस अगल कदम उठाया है। एनसीपी में कोई टूट नहीं। सुप्रिया सुले ने आगे कहा कि शरद पवार राष्ट्रीय अध्यक्ष है और जयंत पटेल महाराष्ट्र प्रदेश के अध्यक्ष हैं। 2 जुलाई को अपने चाचा से अजित पवार ने बगावत कर दी थी और महाराष्ट्र के एकनाथ सिंदे सरकार में शामिल हो गए थे।

चाचा से बगावत करने के बाद उन्होंने दावा किया था एनसीपी के 40 विधायकों का उनके पास समर्थन है। पार्टी को तोड़ने के बाद शरद पवार और सुप्रिया सुले ने कई बार खुले तौर पर अजित पवार पर तंज कसा है। वहीं, पार्टी को तोड़ने के बाद अजित पवार अपने चाचा से चार बार मुलाकात भी कर चुके हैं।

संजय राउत लड़ेंगे लोकसभा चुनाव!

शिवसेना उद्धव गुट के फायर ब्रांड नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत के इस बार लोकसभा चुनाव लड़ने की चर्चा है। खबर है कि वह मुंबई की उत्तर पूर्व लोकसभा सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। चार बार राज्यसभा का चुनाव लड़ने वाले संजय राउत के लिए यह लोकसभा लड़ने का पहला मौका होगा। शिवसेना उद्धव गुट में संजय राउत के लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर काफी चर्चा है। यह सीट शिंदे गुट के पास नहीं, बल्कि बीजेपी के पास है। इस सीट पर फिलहाल बीजेपी के मनोज कोटक सांसद हैं, जो बीएमसी के नगरसेवक से संसद तक पहुंचे हैं। वह बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस के करीबी माने जाते हैं।

प्याज के मुद्दे पर नेताओं में श्रेय लेने की होड़

प्याज के मुद्दे पर पहले भी सरकारें गिर चुकी हैं, इसलिए इस बार जैसे ही प्याज की कीमतों में उछाल आने लगा सरकार ने प्याज के निर्यात पर 40 फीसदी ड्यूटी बढ़ा दी। इससे महाराष्ट्र के किसान नाराज हो गए। विपक्ष किसानों की इस नाराजगी को हवा देने लगा। आम चुनाव नजदीक हैं, ऐसे में सत्ता पक्ष नाराजगी नहीं झेलना चाहता। राज्य में सत्ता रूढ़ दलों ने केंद्र पर प्याज की सरकारी खरीद का दबाव बनाया। केंद्र को भी बात समझ में आई और दो लाख मीट्रिक टन प्याज की खरीद का फैसला लिया। इसके बाद, बीजेपी, एनसीपी और शिवसेना शिंदे गुट के नेताओं में श्रेय लेने की होड़ मच गई है। महाराष्ट्र राज्य के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इन दिनों जापान दौरे पर हैं, इसलिए उन्होंने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से संपर्क कर रास्ता निकालने के लिए कहा। फडणवीस ने इस प्रयास का सोशल मीडिया पर ढिंढोरा पीट दिया। इधर, उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने भी राज्य के कृषि मंत्री धनंजय मुंडे को गोयल से मिलने दिल्ली रवाना किया, ताकि प्याज खरीद का श्रेय अकेले बीजेपी न ले उड़े। मुंडे ने गोयल को लिखित ज्ञापन सौंपा और फोटो वायरल हो गए। शिंदे ने भी आनन-फानन में प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई, जहां शिंदे और पवार ने कहा, इसे संयुक्त प्रयास कहते हैं न कि श्रेय लेना। हम सभी ने एकजुट होकर काम किया।

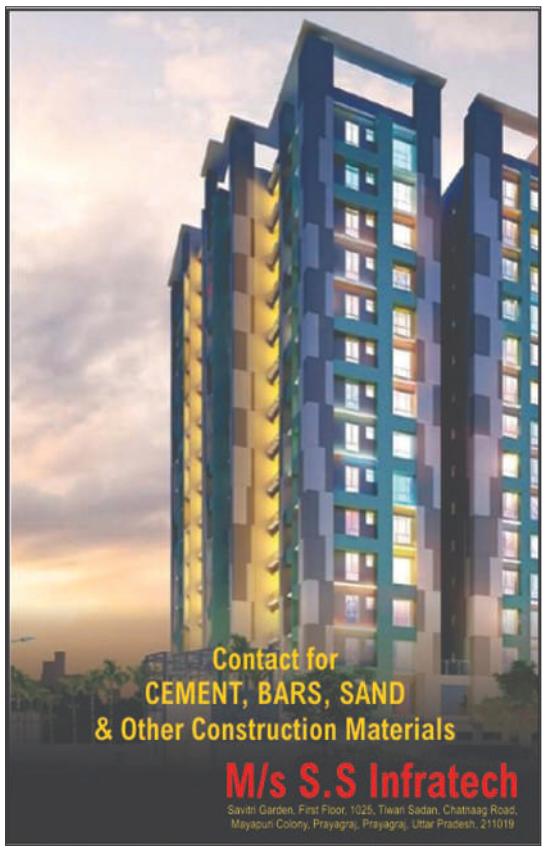

तो इस बार बदलेगा राजस्थान में रिवाज!

गहलोत की कल्याणकारी योजनाओं में उमड़ रही भीड़

» रिपिट हो सकती है कांग्रेस सरकार

» जनता का रुझान देख बीजेपी परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में क्या रिवाज बदल जाएगा। ऐसा कहना जल्दबाजी होगी, परंतु वहां कांग्रेसी सीएम अशोक गहलोत जिस तरह से जुटे हैं उससे तो फिलहाल ऐसा ही लग रहा है कि वह फिर से सत्ता में वापसी कर जाएंगे और वहां पर हर पांच साल में सरकार बदलने की रवायत को झूठा साबित कर देंगे। दरअसल पिछले एस साल से अशोक गहलोत जो भी योजनाएं सरकार द्वारा बना रहे वह सब आमजन को जोड़ने वाले बना रहे है ऐसे में अगर लोगों के बीच अगर वह पैठ बनाने में कामयाब हो गए तो भाजपा के लिए मुसीबत हो सकती है।

दरअसल अशोक गहलोत सरकार के महंगाई राहत कैंपों में लोगों की खूब भीड़ उमड़ रही है। आर्थिक तौर पर कमजोर, विशेषकर ग्रामीण परिवार महंगाई की मार से स्वयं को बचाने के लिए महंगाई राहत कैंपों में अपने आपको रजिस्टर करा रहे हैं। मनरेगा के अंतर्गत हर परिवार को एक न्यूनतम आय सुनिश्चित कर सरकार सबको गरीबी और महंगाई की दो तरफा मार से बचाने का प्रयास कर रही है। राजस्थान में हर विधानसभा चुनाव में सरकार बदल जाती है। लंबे समय से उसका यह ट्रैक रिकॉर्ड बना हुआ है। लेकिन कांग्रेस का दावा है कि इस बार वह इस इतिहास को पलट देगी। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि वह बिना किसी भेदभाव के राज्य के हर वर्ग तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है। राज्य का कोई भी परिवार ऐसा नहीं है जो राज्य सरकार की किसी न किसी योजना का लाभार्थी न हो। सरकार ने हर वर्ग तक पहुंच बनाई है। ऐसे में अनुमान है कि राज्य का इतिहास पलट सकता है और अशोक गहलोत सरकार प्रो-इनकंबेंसी फैक्टर के सहारे सत्ता में वापसी कर सकती है।

चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत किसी भी परिवार को 25 लाख रूपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा ने सबके ऊपर से इलाज के बोझ को उतार दिया है। जिस समय छोटी बीमारी भी आर्थिक तौर पर सक्षम परिवारों की भी कमर तोड़ देती है, राजस्थान में इस योजना के अंतर्गत गरीब परिवार के लोग भी कैंसर और हृदयरोगों के महंगे इलाज मुफ्त करा रहे हैं। क्या यह योजना राज्य सरकार की सेहत को स्वस्थ रखेगी?

प्रो इनकंबेंसी फैक्टर का दावा

राज्य सरकार के करीबी लोगों का दावा है कि कांग्रेस को राज्य में एंटी इनकंबेंसी फैक्टर का नहीं, प्रो इनकंबेंसी फैक्टर का लाभ मिलने की संभावना है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि चाहे अमीर हो या गरीब, राजस्थान का कोई एक भी परिवार ऐसा नहीं है जो राज्य सरकार की किसी न किसी योजना का लाभार्थी न हो। इस कारण सरकार के प्रति लोगों की सहानुभूति की लहर पैदा हो सकती है जिसका लाभ कांग्रेस को हो सकता है।

जनता को तय करना है किसे सत्ता में लाना है : गहलोत

क्या राजस्थान की सत्ता में कांग्रेस वापसी कर सकती है? इस प्रश्न पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि यह तय करना जनता का काम है कि सत्ता में किसे लाना है और किसे विपक्ष में रखना है। उनकी ओर से कोशिश केवल इतनी ही है कि राज्य के हर वर्ग तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। राज्य का कोई भी वर्ग अपने आपको किसी आधार पर वंचित न महसूस करे और सबको आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो। अशोक गहलोत ने कहा कि इस योजना को लांच करते समय उनके मन में केवल एक ही बात थी कि राजस्थान के किसी भी परिवार को इलाज के अभाव में परेशान न होना पड़े। उन्होंने कहा कि कोई परिवार आर्थिक तौर पर कितना भी मजबूत क्यों न हो, जब इलाज की बात आती है तो हर परिवार आर्थिक तौर पर दबाव महसूस करता है। यदि परिवार का कमाऊ सदस्य किसी बीमारी की चपेट में आ जाए तो पूरे परिवार का भविष्य खतरे में पड़ जाता है। ऐसे में लोगों को इस खतरे से बचाने का केवल एक ही उपाय था कि सबको मुफ्त इलाज की सुविधा मिले। राजस्थान के मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की योजना एक वर्ग विशेष तक सीमित है। लेकिन बीमारी में फंसने पर बड़ा वर्ग भी बहुत परेशान हो जाता है। इसीलिए उन्होंने हर वर्ग को मुफ्त इलाज देने की योजना शुरू की और इसे सफलतापूर्वक लागू किया। सीएम का दावा है कि अब इलाज के कारण कोई परिवार परेशान नहीं होने पाएगा।

भाजपा को मोदी का सहारा

अब तक का अनुमान यही है कि भाजपा पूरे चुनाव को मोदी के चेहरे पर लड़ेगी। ऐसे में राजस्थान में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के चेहरों के बीच लड़ाई देखने को मिल सकती है। भाजपा समर्थक मानते हैं कि परसेप्शन की लड़ाई में मोदी गहलोत पर भारी पड़ सकते हैं, लेकिन कांग्रेस का अनुमान है कि राज्य में किसे शासन करना है, इसे ध्यान में रखते हुए जनता अशोक गहलोत सरकार को वापस लाने के लिए वोट कर सकती है।

ईडी के सहारे चुनावी जंग जीतने की कवायद

» छत्तीसगढ़ व झारखंड में ताबड़तोड़ छापे

» कांग्रेस व झामुओ का बीजेपी पर निशाना

» सोरेन व भूपेश ने कहा प्रतिशोध की राजनीति

» इंडिया गठबंधन से घबराई एनडीए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समय-समय पर ईडी के छापे के बाद से सियासत में कोहराम मच जाता है। आज छत्तीसगढ़ में वहां सीएम भूपेश बघेल के करीबी व झारखंड में मंत्री के यहां छापे पारे गए हैं। इस छापे के बाद से सियासत भी गरमा गई है। भारत की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने भाजपा व मोदी सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस का साथ देते हुए इंडिया गठबंधन के अन्य सदस्यों ने कहा है बीजेपी हमारे गठबंधन से डर गई हैं इसलिए ऐसे छापे डलवा रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के मंत्री रामेश्वर उरांव के बेटे रोहित उरांव और कुछ अन्य लोगों के परिसरों पर बुधवार को शराब घोटाले के सिलसिले में छापेमारी की।

इसे लेकर झारखंड में सत्तारूढ़ झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन की सहयोगी कांग्रेस ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस ने ईडी की छापेमारी को 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी गुट इंडिया की छवि खराब करने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार के इशारे पर किया गया राजनीतिक प्रतिशोध बताया। केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों द्वारा राज्य की राजधानी रांची, दुमका, देवघर और गोड्डा जिलों में लगभग 34 स्थानों की छापेमारी की जा रही है। पिता-पुत्र के एक ही घर में रहने के कारण रामेश्वर उरांव के परिसर को भी कवर किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि कुछ शराब कारोबारियों के व्यावसायिक और आवासीय परिसरों को भी कवर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा जांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। झारखंड कैबिनेट में वित्त, योजना और वाणिज्यिक कर विभाग संभालने वाले 76 वर्षीय रामेश्वर ओरांव लोहरदगा (एसटी) विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। 1972 बैच के सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी ओरांव पहले प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं।

प्रतिशोध ले रही है बीजेपी : राजेश ठाकुर

झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि ईडी की छापेमारी 2024 के संसदीय चुनावों से पहले इंडिया गठबंधन की छवि खराब करने के लिए केंद्र में भाजपा के इशारे पर राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई के अलावा और कुछ नहीं है। उन्होंने मांग की कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को पहले अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने पूछा, क्या ईडी पूरे देश में इसी तरह की छापेमारी कर रही है, या शराब केवल झारखंड, दिल्ली और छत्तीसगढ़ में बेची जाती है? केंद्र पर निशाना साधते हुए ठाकुर ने जानना चाहा कि क्या भाजपा शासित राज्यों में कोई घोटाला नहीं हुआ है। राजेश ठाकुर ने 15 अगस्त को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी के समन के समय पर भी सवाल उठाया था। ईडी ने सोरेन को 14 अगस्त को यहां एजेंसी के कार्यालय में उपस्थित होने और पीएमएलए के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए नोटिस भेजा था, लेकिन वह इसमें शामिल नहीं हुए थे। ठाकुर ने कहा, ईडी इतनी जल्दी में थी कि उसने सीएम को तलब करने के लिए 14 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या को चुना। सोरेन ने ईडी को लिखे पत्र में आरोप लगाया था कि केंद्र में एक राजनीतिक दल के साथ गठबंधन नहीं करने के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। सीएम ने अपनी संपत्ति को अवैध नहीं बताते हुए ईडी से समन वापस लेने को कहा है।

मोदी और शाह को थैंक्यू : भूपेश बघेल

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को रायपुर में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा के साथ-साथ राज्य के अन्य अधिकारियों के आवासीय परिसरों पर छापेमारी की। व्यंग्यात्मक जवाब में, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को उनके जन्मदिन पर मिले अमूल्य के लिए धन्यवाद, व्यक्त करते हुए जवाब दिया। बघेल के अनुसार, केंद्रीय एजेंसी ने मुख्यमंत्री के विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) के परिसरों पर भी छापेमारी की। दुर्ग में एक व्यवसायी के परिसरों पर भी तलाशी ली गई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने एक्स, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, पर एक पोस्ट में प्रिय प्रधान मंत्री और अमित शाह को संबोधित किया और कहा, मेरे जन्मदिन के दिन आज आपने मेरे राजनीतिक सलाहकार एवं मेरे ओएसडी सहित करीबियों के यहाँ इडी भेजकर जो अमूल्य तोहफा दिया है, इसके लिए बहुत आभार। जुलाई में, ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत आईएएस अधिकारी रानू साहू और छत्तीसगढ़ कांग्रेस नेता और पीसीसी कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल सहित कई नौकरशाहों के खिलाफ तलाशी ली थी। रिपोर्ट के अनुसार, संघीय एजेंसी द्वारा धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत एक नया मामला दर्ज करने के बाद तलाशी ली गई। हालांकि छापेमारी के लिए प्रेरित करने वाले मामले का खुलासा नहीं किया गया था, रिपोर्टों में कथित चावल घोटाले से संभावित संबंध का संकेत दिया गया था। एजेंसी राज्य के भीतर एक कथित कोयला लेवी और शराब से संबंधित योजना की जांच कर रही थी, जिसके परिणामस्वरूप राजनेताओं और उनके सहयोगियों के साथ-साथ आईएएस अधिकारियों सहित प्रमुख नौकरशाहों को हिरासत में लिया गया था। 18 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने एजेंसी को छत्तीसगढ़ में 2,000 करोड़ रुपये के शराब घोटाले से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आगे की कार्रवाई करने से परहेज करने का निर्देश दिया था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

नहीं लिया सबक, फिर हो गया हादसा

रेलवे में फिर एक हादसा हो गया। फिर पुरानी घटनों से सबक नहीं लिया। इस हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई। ये हादसा एक पुल के गिरने की वजह से हुआ। इससे पहले बालासोर में रेल का बड़ा हादसा हुआ था। पुल गिरने कई घटनाएं बिहार, बंगाल, गुजरात से लेकर यूपी तक में घटीं। जब-जब इस तरह के हादसे होते हैं खूब हाय-तौबा मचती है। पर सरकारों द्वारा जांच कमेटियां बनाकर अपना पल्ला झाड़ लिया जाता है फिर दूसरे हादसे के बाद ही आंख खुलती है। हालांकि उम्मीद की जानी चाहिए कि अबकी बार सरकार कुछ गंभीर प्रणाली बनाने की सोचेगी ताकि ऐसी घटनाएं दुबारा घटित न हों। गौरतलब हो कि मिजोरम के आईजोल में बुधवार को एक बड़ी घटना हो गई। यहां एक निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज गिरने से 17 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा साइरांग इलाके के पास हुआ। वहीं, इस घटना पर रेलवे ने अपना बयान दिया है जिसमें बताया है कि इतने बड़े हादसे के पीछे क्या कारण है।

गौरतलब हो कि मिजोरम के आईजोल में बुधवार को एक बड़ी घटना हो गई। यहां एक निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज गिरने से 17 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा साइरांग इलाके के पास हुआ। वहीं, इस घटना पर रेलवे ने अपना बयान दिया है जिसमें बताया है कि इतने बड़े हादसे के पीछे क्या कारण है।

रेलवे ने बताया कि इतना बड़ा हादसा पुल निर्माण के दौरान एक गर्डर मशीन के गिरने से हुआ। यह मशीन एक विशेष प्रयोजन वाली मोबाइल गैन्ट्री क्रेन है जिसका उपयोग पुल निर्माण में किया जाता है। साथ ही इस मशीन का उपयोग पुल खंडों और गर्डरों को उठाने और सपोर्ट करने के लिए किया जाता है। रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि जो गैन्ट्री गिरी है, उसे एसटीयूपी कंसल्टेंट ने डिजाइन किया था और इसकी आईआईटी गुवाहाटी ने इसकी जांच की थी। प्रवक्ता ने कहा कि मामले की जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया है। इस मामले पर रेलवे के प्रवक्ता ने दावा किया कि पुल का जो हिस्सा पहले ही बनाया जा चुका है वह अभी भी बरकरार है। पुल नहीं गिरा है, यह एक गैन्ट्री थी जो निर्माणाधीन पुल पर लॉन्चिंग के दौरान गिर गई। यह पुल भैरवी-सैरांग नई रेलवे लाइन परियोजना का हिस्सा है इसके तहत 130 पुलों का निर्माण किया जाना है। बैराबी सैरांग लाइन भारतीय रेलवे के पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे क्षेत्र के अंतर्गत बैराबी से सैरांग तक 51 किमी लंबी है। रेल लाइन में 130 पुल, 23 सुरंगें और चार स्टेशन- हॉर्टोकी, कावनपुई, मुआलखांग और सैरांग शामिल हैं। इस घटना को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने भी ट्वीट किया। उन्होंने दुर्घटना पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों के लिए दो-दो लाख रुपये मुआवजे का एलान किया। वहीं, घायलों के लिए 50 हजार रुपये की मदद की घोषणा की गई। मिजोरम के सीएम जोरामथांगा ने भी ट्वीट किया। उन्होंने इस घटना पर दुख जताया और जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने हादसे के बाद घायलों की मदद के लिए आगे आने वाले लोगों का शुक्रिया जताया।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रासायनिक कीटनाशकों का नियमन जरूरी

पंकज चतुर्वेदी

खेती-किसानी में रसायन के इस्तेमाल से किसानों को सांस लेने, कैंसर, थकान जैसी बीमारी हो जाती है। हाल ही में प्रबंधन अध्ययन अकादमी, लखनऊ और हैदराबाद द्वारा हिमाचल प्रदेश में 22 विकास खंडों के किसानों पर हुए सर्वेक्षण से यह बात सामने आई कि कीटनाशक इस्तेमाल करने वाले 16 फीसदी किसान कैंसर के शिकार हो जाते हैं। करीब 40 फीसदी किसान को सिरदर्द और 39 प्रतिशत को उलटी की शिकायत रहती है। देश के अलग-अलग हिस्सों में कम से कम 50 ऐसे मामले आये जब खेतों में छिड़कने वाली दवा किसान की सांस के जरिये शरीर में पहुंची और उन्हें जान से हाथ धोना पड़ा।

बदलते मौसम में खेती बहुत चुनौती वाला काम है। कम समय में अधिक फसल के कारण किसान बीज बाजार से खरीद रहा है और मोडिफाइड बीजों में अलग किस्म के कीटों के भय को देखते हुए किसान समय से पहले और बेशुमार दवा डाल रहा है। ये छिड़काव के लिए चीन में बने ऐसे पंप का इस्तेमाल करते हैं, जिनकी कीमत कम और गति ज्यादा होती है। किसान नंगे बदन खेत में काम करते हैं, न दस्ताने न ही नाक-मुंह ढंकने की व्यवस्था होती है। दवा का ज़हर किसानों के शरीर में गहरे तक समाता है। कई की आंखों पर असर होता है तो कई को त्वचारोग, जिसे किसान ध्यान नहीं देता। देश में हर साल लगभग दस हजार करोड़ रुपये की फसल खेत या भंडारगृहों में कीट-कीड़ों के कारण नष्ट हो जाती है। इस बर्बादी से बचने के लिए कीटनाशकों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। सन? 1950 में देश में जहां 2000 टन कीटनाशक की खपत थी, वहीं अब बढ़कर 90 हज़ार टन पर पहुंच गई है। बीते 60 के दशक में देश में जहां 6.4 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कीटनाशकों का छिड़काव होता था, वहीं अब 1.5 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में कीटनाशकों का छिड़काव हो रहा है। परिणाम यह है कि भारत में पैदा होने वाले अनाज, सब्ज़ी, फलों व दूसरे कृषि उत्पादों में कीटनाशक की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है। ये कीटनाशक जाने-अनजाने में पानी, मिट्टी, हवा, जन-स्वास्थ्य और जैव विविधता को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं।

दरअसल, अंधाधुंध कीटनाशकों के इस्तेमाल से पारिस्थितिकी संतुलन बिग? रहा है, और अनेक कीट व्याधियां सिर उठा रही हैं। कई कीटनाशियों की प्रतिरोधक क्षमता ब?

गई है और वे दवाओं को हजम कर रहे हैं। इसका असर खाद्य शृंखला पर पड़ रहा है और उनमें दवाओं व रसायनों की मात्रा खतरनाक स्तर पर आ गई है। प्रयोग की जा रही दवाइयों का महज 10 से 15 फीसदी ही असरकारक होता है, बाकी का ज़हर मिट्टी, भूगर्भ जल, हवा, नदी-नालों का हिस्सा बन जाता है। कीटनाशकों और उसके प्रभाव का आकलन करने वाली संस्था 'केयर रेटिंग' के अनुसार भारतीय खाद्य पदार्थों में कीटनाशकों का अवशेष 20 फीसदी तक है जबकि वैश्विक स्तर पर यह महज दो फीसदी तक होता है। जैसे-जैसे खेती पर जलवायु परिवर्तन और लागत बढ़ने का खतरा बढ़ा रहा है, किसान ने फसल के उपभोक्ता के स्वास्थ्य पर जानलेवा असर की परवाह किये बगैर कीटनाशक और रसायन की खपत बढा दी है। बीते पांच वर्षों के दौरान देश में रासायनिक कीटनाशकों का इस्तेमाल भी बढ़ा है। वर्ष 2015-16 के दौरान जहां देश में करीब 57 हजार मीट्रिक टन ऐसे कीटनाशकों का इस्तेमाल किया गया था, वहीं अब बढ़कर करीब 65 हजार मीट्रिक टन तक पहुंचने का अनुमान है। इस मामले में महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश शीर्ष पर हैं। सभी जानते हैं कि एक तरफ खेत में रसायन छिड़के, फिर सिंचाई हुई या बरसात आई, तो अतिरिक्त ज़हर बहकर करीबी नदी-तालाब में जाता है। यही कारण है कि दिल्ली, मथुरा, आगरा जैसे शहरों में पेयजल सप्लाई का मुख्य स्रोत यमुना नदी के पानी में डीडीटी और बीएसजी की मात्रा जानलेवा स्तर पर पहुंच गई है। यहां उपलब्ध शाकाहारी और मांसाहारी दोनों किस्म की खाद्य सामग्री में इन कीटनाशकों की खासी मात्रा पाई गई है। औसत भारतीय के दैनिक भोजन में लगभग 0.27 मिग्रा डीडीटी पाई जाती है। दिल्ली के नागरिकों के शरीर में यह मात्रा सबसे अधिक है।

अब बेशुमार रसायन का इस्तेमाल फसल के लिए भी घातक हो रहा है। पंजाब में कपास की फसल पर सफेद मक्खियों के लाइलाज हमले का मुख्य कारण रासायनिक कीटनाशकों का इस्तेमाल किया जाना पाया गया है। अब टमाटर को ही लें। इन दिनों अच्छी प्रजाति के 'रूपाली' और 'रश्मि' किस्म के टमाटरों का सर्वाधिक प्रचलन है। इन प्रजातियों को सर्वाधिक नुकसान हेल्योशिस आर्मिजरा नामक कीड़ों से होता है। इन कीड़ों को मारने के लिए बाजार में रोगर हाल्ट, सुपर किलर, रेपलीन और चैलेंजर नामक दवाएं मिलती हैं।

साझे प्रयासों से ही समरस व भाईचारे का समाज

विश्वनाथ सचदेव

नौ अगस्त, 1942 की नहीं, इस साल के 9 अगस्त की बात है। मुंबई के ग्वालिया टैंक में जिसे अब अगस्त क्रांति मैदान कहा जाता है, एक सभा होने वाली थी, जिसमें भाग लेने के लिए जी.जी. पारीख नाम के एक 99 वर्ष के स्वतंत्रता सेनानी भी जाने वाले थे। पिछले 80 वर्ष से वे हर साल इस दिन उस मैदान में जाकर शीश नवाते रहे हैं जहां महात्मा गांधी ने 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' का नारा लगाकर हमारे स्वाधीनता-संग्राम के निर्णायक दौर की शुरुआत की थी। जब यह नारा दिया गया था तब जी.जी. बच्चे थे। पर उस दिन भी वह वहां थे जहां से 'भारत छोड़ो आंदोलन' की शुरुआत हुई थी। पर लगभग आठ दशक बाद जब वह उस मैदान की ओर बढ़े तो उन्हें रोक दिया गया। अपने कुछ साथियों के साथ जी.जी. गिरगांव चौपाटी से ग्वालिया टैंक की ओर जा रहे थे। जी.जी. के साथियों को पुलिस बस में बिठाकर कहीं ले गयी और शायद उनकी आयु का लिहाज करके उन्हें घर जाने दिया गया।

चौपाटी में तिलक की मूर्ति की परिक्रमा कर निराश जी.जी. वहां से चले गये। हुआ यह था कि जब जी.जी. अगस्त क्रांति मैदान जा रहे थे तो मैदान में सरकारी आयोजन हो रहा था। पता नहीं क्यों पुलिस को लगा कि 99 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी के वहां पहुंचने से मुख्यमंत्री के 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम की धार कुंठित हो जाएगी। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के पूरा हो जाने के बाद ही उस दिन जी.जी. अगस्त क्रांति मैदान पहुंच पाये थे। उन्हीं की तरह महात्मा गांधी के प्रपोत्र तुषार गांधी को भी तब वहां नहीं जाने दिया गया था। उन्हें तो सांताक्रूज से ही नहीं निकलने दिया गया। कुछ ऐसी ही स्थिति सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ की भी थी। ये तीनों और उनके बाकी साथी उस दिन अगस्त क्रांति मैदान में 'बंधुत्व' को बढ़ावा देने का संदेश लेकर पहुंचना चाहते थे। बाद में वे पहुंचे भी। पर 9 अगस्त, 1942 के बाद से आज तक संभवत: यह पहली बार था जब 'बंधुत्व' की बात करने वाले अथवा 'भय' को भारत छोड़ने का आह्वान देने वाले किसी भारतीय को इस तरह वहां पहुंचने से रोका गया था। बाद में जी.जी. पारीख ने पत्रकारों के समक्ष इस बात को स्पष्ट भी किया कि वह 'अपने साथियों के साथ किसी बात का विरोध करने वहां नहीं जा रहे थे। जब नफरत को मिटाने के लिए प्यार का सार्वजनिक संदेश देने वालों को शासन द्वारा रोका जाता है तो पूरा समाज खतरे में पड़ जाता है।'

प्यार और बंधुत्व देने वालों को उस दिन मुंबई में क्यों रोका गया, यह बात स्पष्ट करना शासन ने ज़रूरी नहीं समझा। पुलिस ने यह भी नहीं बताया कि किसके आदेश से यह कार्रवाई की गयी थी। लेकिन यह सवाल तो पूछा ही जाना चाहिए कि ऐसे किसी कार्यक्रम से सत्ता को डर क्यों लगता है? मुख्यमंत्री के 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान की धार 'नफरत भारत छोड़ो' नारे से आखिर कुंद कैसे पड़ जाती? जी.जी. और उनके गिनती के साथियों का उद्देश्य समाज में फैल रही नफरत के खिलाफ आवा? उठाने का था। आयोजन पूर्णत: शांतिपूर्ण और अहिंसक था। फिर पुलिस ने यह कार्रवाई क्यों की? क्या पुलिस नहीं चाहती कि समाज से नफरत मिटे या समाज में भाईचारा बढ़े?

इस बार भारत छोड़ो का नारा प्रधानमंत्री मोदी ने भी लगाया है। उन्होंने 'भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण भारत छोड़ो' का आह्वान किया है। उन्होंने कहा 'इस 'भारत छोड़ो' अभियान से देश बचेगा और देश के विकास में मदद मिलेगी'। क्या नफरत के खिलाफ आवा? उठाना देश के विकास में बाधक बनता? यह सही है कि उस दिन मुंबई में नफरत के खिलाफ और भाईचारे के समर्थन में आवाज उठाने वाले जयप्रकाश नारायण और राम मनोहर लोहिया के समर्थक थे। उनकी आस्था समाजवादी विचारों में थी, पर यह कोई अपराध तो नहीं है। जिन बुराइयों के भारत छोड़ने की बात की जा रही है, उनमें नफरत के जुड़ जाने से बात का वज़न ही बढ़ता। आठ और नौ अगस्त, 1942 की मध्यरात्रि में जब राष्ट्रपिता ने राष्ट्र को 'करो या मरो' का संदेश दिया तो उन्होंने स्पष्ट कहा था कि हम किसी से नफ़रत नहीं करते, हमारा आंदोलन सत्याग्रह के सिद्धांतों पर आधारित है। गांधी ने इस बात को भी रेखांकित करना ज़रूरी समझा था कि 'हमारा संघर्ष भारत की स्वतंत्रता के लिए है, न कि सत्ता के लिए।' उन्होंने यह भी कहा था कि 'विश्व-इतिहास में कभी भी स्वतंत्रता के लिए इस तरह का जनतांत्रिक संघर्ष नहीं हुआ।'

जिस जनतांत्रिक व्यवस्था में हमारे पूर्वजों ने अपना विश्वास प्रकट किया था और जिस जनतांत्रिक संविधान के आधार पर आज हम अपना शासन चला रहे हैं, उसका तकाज़ा है कि देश में घृणा को समाप्त करने के लिए और भाईचारे या बंधुत्व को बढ़ावा देने के लिए एक संघर्ष की शुरुआत हो। देश के हर नागरिक को इस संघर्ष में भाग लेना होगा, तभी इसकी सफलता सुनिश्चित हो सकती है। धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, भाषा और क्षेत्रीयता के नाम पर आज जिस तरह से समाज को बांटने की कोशिशें हो रही हैं, उसके खिलाफ एक सतत अभियान की आवश्यकता है। और यह लड़ाई किसी एक वर्ग, या एक समाज या एक धर्म की नहीं है, हर भारतीय को यह लड़ाई लड़नी है। हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था में नफ़रत के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। कोई 99 वर्ष का जी.जी. पारीख जब नफ़रत को भारत से हराने के बात कह रहा है तो उसकी आंखों में सारे भारत की खुशहाली का सपना है। आज मणिपुर में जिस तरह जातीय हिंसा का तांडव हम देख रहे हैं या फिर हरियाणा में जिस तरह धर्म की रक्षा के नाम पर सांप्रदायिकता फैलाने की कोशिश की जा रही है।

अमरूद

इम्यूनिटी बूस्टर के रूप में करता है काम

अमरूद स्वाद में बेहतरीन होने के साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। कुछ लोग अमरूद पर चाट मसाला और नमक छिड़क कर इस फल का लुत्फ उठाते हैं। यह फल छोटे-छोटे बीजों से भरा होता है। इसका स्वाद खाने में मीठा होता है। अमरूद की तासीर ठंडी होती है, जो पेट के लिए लाभदायक माना जाता है। यह फल पोषक तत्वों का खजाना है। इसमें विटामिन-सी, लाइकोपीन और एंटीऑक्सीडेंट गुण पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। जो सेहत के अलावा त्वचा के लिए भी फायदेमंद है। अमरूद में मौजूद पोटैशियम रक्तचाप के स्तर को भी सामान्य करने में मदद करता है। अमरूद विटामिन सी का समृद्ध स्रोत है। इसमें संतरे के मुकाबले विटामिन-सी 4 गुना अधिक पाया जाता है। जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। जिससे आप कई तरह के संक्रमण और बीमारियों से बच सकते हैं। इसके अलावा, अमरूद आपकी आंखों को भी स्वस्थ रखता है।

गर्भवती महिलाओं के लिए फायदेमंद

अमरूद गर्भवती महिलाओं के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद फोलिक एसिड या विटामिन बी-9 गर्भवती महिलाओं को स्वस्थ रखने में मदद करता है। यह गर्भ में पल रहे बच्चे के तंत्रिका तंत्र को विकसित करने में मदद कर सकता है। अमरूद में विटामिन सी होता है जो आप की इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करता है और शरीर का मेटाबॉलिज्म भी बढ़ता है। यह आपके शरीर को काफी प्रकार की बिमारियों और इंफेक्शन आदि से बचा कर रखता है।

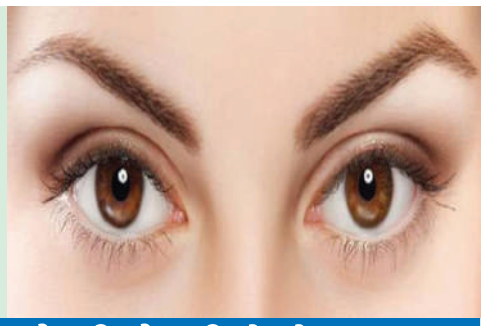

आंखों की रोशनी में होगा सुधार

अमरूद में विटामिन-ए पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। जो आंखों के लिए जरूरी तत्व होता है। इस खाने से आंखों की रोशनी में सुधार हो सकता है। यह मोतियाबिंद की समस्या को कम करने में मदद कर सकता है।

हाई ब्लड प्रेशर को करेगा कंट्रोल

अमरूद में सोडियम और पोटैशियम पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। जो हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए फायदेमंद माना जाता है। यह हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

बैड कोलेस्ट्रॉल करता है कम

अगर बात करें अमरूद के पत्तों की तो इनमें भी वो सभी जरूरी गुण और तत्व पाए जाते हैं जो सेहत को दुरुस्त रखते हैं। अमरूद ट्राइग्लिसराइड्स और खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में भी मदद करता है। जिससे आप दिल से जुड़ी बीमारियों से बच सकते हैं।

डायबिटीज में फायदेमंद

डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए डाइट काफी जरूरी है। अगर आप डाइट के अंदर ब्लड शुगर को कंट्रोल करने वाले फल और सब्जियां खाएंगे, तो कभी चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए फाइबर वाले फूड भी खाने चाहिए। क्योंकि, फाइबर भी खाने से शुगर और फैट का अवशोषण धीमा करता है। जिससे मरीजों का ब्लड शुगर कंट्रोल में ही रहता है। अमरूद के अंदर फाइबर की मात्रा भरपूर होती है। अमरूद में फाइबर पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी कम होता है। यह फल डायबिटीज के मरीजों के लिए वरदान है। यह रक्त शर्करा स्तर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

कब्ज से राहत

अमरूद में अन्य फलों की तुलना में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन को ठीक रखता है। अगर आप पाचन संबंधी समस्या से परेशान हैं, तो अमरूद को अपनी डेली डाइट में जरूर शामिल करें। इससे मल त्याग में भी मदद मिलती है। पेट के अलावा कई अन्य बीमारियों में भी अमरूद बेहद लाभकारी होता है। अमरूद के पत्ते भी गुणों से भरपूर हैं।

हंसना मना है

एक इंजीनियरिंग कॉलेज के सभी शिक्षकों को एक टूर पर ले जाने के लिए एक हवाई जहाज में बैठाया गया! जब सभी शिक्षक बैठ गए तो पायलट ने बड़ी ही खुशी से घोषणा की-आप सभी गणमान्य शिक्षकों को यह जान कर खुशी होगी कि जिस प्लेन में आप बैठे हैं, उसे आप ही के कॉलेज के होनहार विद्यार्थियों ने बनाया है! बस फिर क्या था! इतना सुनते ही सभी शिक्षक इस डर से नीचे उतर गए कि कहीं उड़ान भरते ही विमान दुर्घटना ग्रस्त ना हो जाए! लेकिन प्रिंसिपल साहब बैठे रहे! यह देख पायलट उनके पास गया और उनसे पूछा-सर, सभी टीचर अपने विद्यार्थियों का नाम सुनते ही डर कर उतर गए लेकिन आप क्यों नहीं उतरे? क्या आपको डर नहीं लग रहा है? प्रिंसिपल ने दिल को छू जाने वाला जवाब दिया मुझे अपने कॉलेज के शिक्षकों से भी ज्यादा अपने विद्यार्थी पर भरोसा है। देख लेना यह प्लेन स्टार्ट ही नही होगा?

लड़का: कहां जा रही हो? लड़की: आत्महत्या करने? लड़का: तो इतना मेकअप क्यों किया हुआ है? लड़की : अबे गधे ! कल न्यूज पेपर में फोटो आएगी न?

एक ताऊ मरने वाला था घर वालो ने कहा: अब तो भगवान का नाम ले लो, ताऊ बोला: अब क्या नाम लेना, 10 -15 मिनिट बाद तो आमना-सामना हो ही जाएगा?

कहानी | मन का दिव्य दर्पण

एक गुरुकुल के आचार्य अपने शिष्य की सेवा से बहुत प्रभावित हुए। विद्या पूरी होने के बाद जब शिष्य विदा होने लगा तो गुरू ने उसे आशीर्वाद के रूप में एक दर्पण दिया। वह साधारण दर्पण नहीं था। उस दिव्य दर्पण में किसी भी व्यक्ति के मन के भाव को दर्शाने की क्षमता थी। उसने सोचा कि चलने से पहले क्यों न दर्पण की क्षमता की जांच कर ली जाए। उसने दर्पण का मुंह सबसे पहले गुरुजी के सामने कर दिया। शिष्य को तो सदमा लग गया। दर्पण यह दर्शा रहा था कि गुरुजी के हृदय में मोह, अहंकार, क्रोध आदि दुर्गुण स्पष्ट नजर आ रहे हैं। मेरे आदर्श, मेरे गुरूजी इतने अवगुणों से भरे है! लेकिन रास्ते भर मन में एक ही बात चलती रही कि जिन गुरुजी को समस्त दुर्गुणों से रहित एक आदर्श पुरुष समझता था लेकिन दर्पण ने तो कुछ और ही बता दिया। उसने अपने कई इष्ट मित्रों तथा अन्य परिचितों के सामने दर्पण रखकर उनकी परीक्षा ली। सब के हृदय में कोई न कोई दुर्गुण अवश्य दिखाई दिया। सब दोहरी मानसिकता वाले लोग है। जो दिखते हैं दरअसल वे हैं नहीं। उसे अपने माता-पिता का ध्यान आया। उसके पिता की तो समाज में बड़ी प्रतिष्ठा है, उसकी माता को तो लोग साक्षात देवतुल्य ही कहते है। उसने उस दर्पण से माता-पिता की भी परीक्षा कर ली। उनके हृदय में भी कोई न कोई दुर्गुण देखा। संसार सारा मिथ्या पर चल रहा है। अब उस बालक के मन की बेचैनी सहन के बाहर हो चुकी थी। उसने दर्पण उठाया और चल दिया गुरुकुल की ओर। गुरूजी के सामने खड़ा हो गया। चेले ने गुरुजी से विनम्रतापूर्वक कहा- गुरुदेव, मैंने आपके दिए दर्पण की मदद से देखा कि सबके दिलों में तरह-तरह के दोष है। कोई भी दोषरहित सज्जन मुझे अभी तक क्यों नहीं दिखा? क्षमा के साथ कहता हूं कि स्वयं आपमें और अपने माता-पिता में मैंने दोषों का भंडार देखा। इससे मेरा मन बड़ा व्याकुल है। तब गुरुजी हंसे और उन्होंने दर्पण का रुख शिष्य की ओर कर दिया। शिष्य के मन के प्रत्येक कोने में राग-द्वेष, अहंकार, क्रोध जैसे दुर्गुण भरे पड़े थे। गुरुजी बोले- बेटा यह दर्पण मैंने तुम्हें अपने दुर्गुण देखकर जीवन में सुधार लाने के लिए दिया था न कि दूसरों के दुर्गुण खोजने के लिए। जितना समय तुमने दूसरों के दुर्गुण देखने में लगाया उतना समय यदि तुमने स्वयं को सुधारने में लगाया होता तो अब तक तुम्हारा व्यक्तित्व बदल चुका होता। मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि वह दूसरों के दुर्गुण जानने में ज्यादा रुचि रखता है। स्वयं को सुधारने के बारे में नहीं सोचता। इस दर्पण की यही सीख है जो तुम नहीं समझ सके यदि हम स्वयं में थोड़ा-थोड़ा करके सुधार करने लगें तो हमारा व्यक्तित्व परिवर्तित हो जाएगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

भाग्य का साथ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। कुसंगति से बचें।

वृषभ

शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में सोच-समझकर हाथ डालें। जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा।

मिथुन

व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंह

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

कन्या

व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा।

तुला

व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा।

धनु

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी।

मकर

धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। पूजा-पाठ में मन लगेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता रहेगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा।

कुम्भ

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

मीन

किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में शांति रहेगी। सहकर्मियों का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

दर्शकों का भरोसा बनाए रखना मेरी जिम्मेदारी : आयुष्मान

इस शुक्रवार को रिलीज होने जा रही अपनी नई फिल्म 'ड्रीमगर्ल-2' को लेकर खासे उत्साहित अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी इस कॉमेडी फिल्म से पहले दर्शकों का भरोसा फिर से जीतने की पूरी तैयारी कर रहे हैं। ब्रांड बाजार में आयुष्मान की खासियत उनके प्रति दर्शकों के भरोसे की ही रही है और इसी वजह से वह वित्तीय संस्थाओं और बैंकिंग सेवाएं देने वाली कंपनियों की ब्रांड अंबेसडर के रूप में पहली पसंद भी रहे हैं। भरोसे की बात चलने पर आयुष्मान को अपने माता-पिता की तुरंत याद आती है। वह कहते हैं, 'मेरा माता पिता ने मुझमें जो बात सबसे ज्यादा कूट-कूटकर भरी है, वह है लोगों का भरोसा जीतना। जीवन का यही सबसे कठिन काम है क्योंकि एक बार अगर किसी इंसान पर किसी का भरोसा बन गया तो फिर ये उसकी जिम्मेदारी है कि उसे कभी टूटने न दे।' आयुष्मान कहते हैं, 'कलाकार के तौर पर भी हम दर्शकों के उस भरोसे पर टिके होते हैं, जो हमारी फिल्मों के जरिये बनता है। मैं इस बात को लेकर हमेशा दर्शकों का कृतज्ञ रहा हूं कि लोगों ने न सिर्फ मुझ पर बल्कि भारतीय सिनेमा में मेरे इरादों और मेरी कला पर भी भरोसा बनाए रखा है।' आयुष्मान खुराना की जब से एक फिल्म 'गुलाबो सिताबो' कोरोना संक्रमण काल में सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई, बॉक्स ऑफिस पर उनकी ब्रांडिंग को खासा नुकसान पहुंचा है। उनकी पिछली चार फिल्में 'चंडीगढ़ करे आशिकी', 'अनेक', 'डॉक्टर जी' और 'एन एक्शन हीरो' बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर सकीं। आयुष्मान अपनी हर फिल्म में आम आदमी के एक नए रूप को परदे पर पेश करने के लिए प्रयोग करते रहे हैं और 'ड्रीमगर्ल' सीरीज में भी उनका जनाना आवाज निकालने का प्रयोग काफी रोचक रहा है। आयुष्मान कहते हैं, 'कहानियां कहने का बिल्कुल भिन्न तरीका निकालने की मेरी कोशिशों में दर्शकों ने मुझे हमेशा प्रोत्साहित किया है। मैं अपने सारे प्रशंसकों का इसके लिए शुक्रगुजार हूं और ये जिम्मेदारी अब मेरी है कि मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूं।'

फिर 'बल्लू' बन जादू चलाएंगे संजय दत्त

सनी देओल की गदर 2 इस समय बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचा रही है। इस फिल्म की सफलता के बाद अब कई फिल्मों का सीक्वल बनाने की खबरें सुनने को मिलने लगी है। हाल ही में खबर आई थी कि बॉर्डर 2 और बीवी नंबर वन जैसी फिल्मों का भी सीक्वल बनने जा रहा है। इसी बीच अब खबर आई है कि संजय दत्त भी खलनायक के रूप में फिर पर्दे पर धमाल मचाने जा रहे हैं। इन खबरों को निर्देशन सुभाष घई ने कंफर्म भी किया है।

अपने एक इंटरव्यू में सुभाष घई ने बताया कि वह खलनायक की रिलीज को 30 साल पूरे होने पर वह इसे एक बार फिर से 4 सितंबर को मुक्ता आर्ट्स सिनेमा के साथ-साथ 100 स्क्रीन्स पर रिलीज करने जा रहे हैं। फिल्म में संजय दत्त, माधुरी दीक्षित और जैकी श्रॉफ ने लीड रोल प्ले किया था। इसी के साथ सुभाष ने फिल्म के सीक्वल पर भी जानकारी दी। उन्होंने कंफर्म करते हुए कहा कि वह खलनायक के सीक्वल की तैयारी कर रहे हैं।

बॉलीवुड | गपशप

बल्लू फिर करेंगे दर्शकों का मनोरंजन

सुभाष का कहना है कि संजय दत्त का बल्लू किरदार दर्शकों को उस वक्त भी बहुत पसंद आया था और इस बार भी लोग इसे खूब प्यार देंगे। यही कारण है कि वह इस फिल्म पर काम कर रहे हैं। फिल्म की कहानी से लेकर स्टार कास्ट और अन्या सभी चीजों पर काम किया जा रहा है। डायरेक्टर ने बताया कि गदर-2 की सफलता के बाद उन्हें कई लोगों ने मैसेज कर खलनायक-2 बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। इसके बाद से ही वह जी-जान से इस प्रोजेक्ट पर जुट गए हैं।

खलनायक के साथ फिर जुड़ेंगे संजय दत्त

सुभाष घई ने इस बात की भी जानकारी दी कि वह जल्द ही खलनायक-2 का ऐलान करने की तैयारी में हैं। इस बार भी फिल्म में संजय दत्त नजर आने वाले हैं। हालांकि, उनके साथ कई नई स्टार कास्ट भी इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ने वाली है। मेकर्स अपनी इस फिल्म को दमदार तरीके से पेश करने की तैयारी कर रहे हैं।

'खाकी: द बिहार चैप्टर' के दूसरे सीजन का हो गया ऐलान

फिर से दिखेगा वर्दी का जलवा

विहिट स्ट्रीमिंग शो खाकी द बिहार चैप्टर अपने दूसरे सीजन के साथ वापस आ रहा है। यह शो बिहार के बैकड्रॉप पर एक रोमांचकारी कॉप-क्रिमिनल चेज प्रस्तुत करता है, जो देश भर के दर्शकों को रोमांचित करता है। दर्शकों और आलोचकों दोनों द्वारा पसंद की गई, यह सीरीज पांच महीनों से ज्यादा समय तक भारत के टॉप-10 टीवी शो में से एक रही और भारत में नेटफ्लिक्स पर सबसे लंबे समय तक ट्रेंडिंग शो में से एक बन गई। अपनी सफलता के बाद, खाकी का दूसरा सीज़न दर्शकों के लिए एक और रोमांचक कहानी ला रहा है।

इसके साथ ही निर्माता नीरज पांडे की फाइडे स्टोरीटेलर्स एलएलपी ने नेटफ्लिक्स के साथ एक क्रिएटिव पार्टनशिप भी की है। वे फिल्मों और सीरीज में कई प्रोजेक्ट्स पर कोलैबोरेट करेंगे। फिल्म निर्माता और फ्राइडे फिल्मवर्क्स के संस्थापक नीरज

ने एक बयान में कहा, नेटफ्लिक्स के साथ काम करना एक पुरस्कृत अनुभव रहा है, जिसने असीमित संभावनाओं को खोल दिया है।

कहानी कहने के प्रति उनका जुनून मेरे दृष्टिकोण से अच्छी तरह मेल खाता है। हमारी अब तक की यात्रा अविश्वसनीय रही है और मुझे विश्वास है कि यह देश और विश्व स्तर पर व्यापक दर्शकों तक पहुंचेगा। मैं अपने दर्शकों को उनके समर्थन और खाकी-द बिहार चैप्टर की सफलता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। यह हमें और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है।

नेटफ्लिक्स पर होगी रिलीज

नेटफ्लिक्स इंडिया की वाइस प्रेजिडेंट कंटेंट मोनिका शेरगिल ने कहा, नीरज पांडे जैसे दूरदर्शी फिल्म निर्माता के साथ सहयोग करने से हमें कहानी कहने की सीमाओं को आगे बढ़ाने और अपने दर्शकों के लिए परिभाषित मनोरंजन लाने में मदद मिली। उनकी अनूठी शैली और मनमोहक कहानियों को स्क्रीन पर लाने की क्षमता के साथ, मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि हम भविष्य में प्रशंसकों की पसंदीदा फिल्में एक साथ मिलकर क्या बना सकते हैं। खाकी का दूसरा सीज़न इस रोमांचक साझेदारी का पहला चैप्टर है, और आने वाले समय में और भी अधिक उत्साह देखने को मिलेगा।

अजब-गजब | 'न्योस डिजास्टर लेक' के नाम से जाना जाता है इस घटना को

कार्बन डाई आक्साइड ने किया था किलर का काम, पूरा गांव समा गया था काल के गाल में

'कार्बन डाइऑक्साइड' गैस कितनी खतरनाक हो सकती है। इसे एक अफ्रीकी गांव में घटित हुई घटना से समझा जा सकता है। 'कार्बन डाइऑक्साइड' गैस ने एक 'साइलेंट किलर' की तरह काम किया और पूरे गांव को मार गिराया। इंसानों, जानवरों और यहां तक की मक्खियों का भी दम घुट गया। इस घटना को 'न्योस डिजास्टर लेक' के नाम से जाना जाता है। जिसमें कुल मिलाकर 1746 लोगों और लगभग 3,500 जानवरों की मृत्यु हो गई थी।

एक रिपोर्ट के अनुसार, 21 अगस्त 1986 की रात लगभग 9 बजे एक पश्चिमी अफ्रीकी गांव न्योस में लोगों ने जोर से गड़गड़ाहट की आवाज सुनी। अगली सुबह ग्रामीणों में से एक एफ़रैम चे उठा तो पाया कि लगभग सभी लोग जिन्हें वह जानता था वह मर चुके थे। पूरे गांव में भयानक सन्नाटा पसरा हुआ था। यह सब देखकर एफ़रैम के होश उड़ गए। तभी उसे एक महिला के रोने की आवाज सुनाई दी। जिसके बाद वह महिला की ओर चला गया। वहां पहुंच कर उसे पता चला कि वह महिला हलीमा थी, जिसे वह जानता था।

एफ़रैम ने बताया कि हलीमा ने दुःख के मारे अपने कपड़े फाड़ दिए थे। वे फटे हुए कपड़े उसके बच्चों के शरीर थे, जो जीवित नहीं थे। अपने बच्चों की मौत पर हलीमा बुरी तरह से चित्कार कर रही थी। इसके बाद, एफ़रैम ने अपने परिवार के 30 से अधिक अन्य सदस्यों और उनके 400 जानवरों को देखा। एफ़रैम ने याद करते हुए कहा, 'उस दिन मृतकों पर कोई मक्खियां नहीं थीं। यहां तक कि कीड़े भी अदृश्य हत्यारे द्वारा मारे गए थे।' न्योस झील की आपदा का मुख्य कारण झील की गहरी परतों में घुली हुई कार्बन डाइऑक्साइड गैस का जमा होना था। विस्फोट के साथ न्योस झील की गहराई में से भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड गैस निकली, जिससे न्योस गांव में लगभग हर जीवित चीज का दम घुट गया था और फिर हजारों लोगों और जानवरों की मौत हो गई थी। कुछ जीवित बचे लोगों ने झील से आने वाली बारूद या सड़े अंडे जैसी दुर्गंध की सूचना दी, जिससे पता चलता है कि झील से गैस का रिसाव हुआ था।

बिहार का अनोखा गांव! यहां हर परिवार के पास है कम से कम एक नाव

बिहार में कई अद्भुत गांव है जो अलग-अलग कारणों से चर्चा में बने रहते है। इस कड़ी में हम सीवान जिला के एक ऐसे गांव की हम बात करने जा रहे हैं। जहां परिवार की संख्या से भी अधिक नाव है। दरअसल, यह गांव कोई और नहीं बल्कि तीर बलुआ गांव है। यह गांव गंडक नदी और सरयू नदी के तट पर स्थित है। यहां के लोगों के लिए नाव रखना शौक नहीं बल्कि मजबूरी है। यह गांव अपने आप में भी काफी अजूबा है। यहां के लोगों की पूरी दिनचर्या नाव पर ही व्यतीत हो जाता है। नहाने-धोने से लेकर बर्तन मांजने तक का काम नाव पर ही होता है। तीर बलुआ गांव के रहने वाले कलिंदर बताते हैं कि इस गांव में कुल परिवारों की संख्या 120 है। हालांकि यहां नाव की 150 के आस-पास है। यानि कि यहां परिवार की संख्या से अधिक नावों की संख्या है। यहां के लोगों के पास बाइक, कार या घोड़ा सहित अन्य साधन भले ना मिले, लेकिन प्रत्येक घर में नाव जरूर मिल जाएगा। इस गांव के लोगों की डोर नाव बन गयी है। सभी दैनिक कार्य नाव के सहारे हीं होता है। चाहे वे नहाने, कपड़ा धोने, बर्तन मांजने, खेती बाड़ी करने जाना, पशुओं के चारा लाने, फसलों को लाने, जीविका के लिए मछली पकड़ने या फिर जीवन बचाना हो, सभी काम नाव से हीं होता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां प्रत्येक वर्ष नदियों में पानी बढ़ने से बाढ़ आ जाता है। इस वजह से नाव ही एक सहारा बचता है। अगर नदी के तट पर रिंग बांध बन जाए तो बाढ़ की समस्या से निजात मिलेगा और बाढ़ के साथ-साथ नाव रखने की समस्या से भी निजात मिल जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि बाढ़ के समय आपदा विभाग या जिला प्रशासन की ओर से कोई राहत नहीं दी जाती है। बाढ़ के दिनों में फसल भी पूरी तरीके से बर्बाद हो जाता है। खाने-पीने तक के लाले पड़ने लगते हैं। जैसे-तैसे व्यवस्था की जाती है। इसके बावजूद राहत सामग्री नहीं मिल पता है। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि ग्रामीण अपने हाथों से हीं नाव को तैयार करते हैं। नाव के लिए आवश्यक समान बाजार से खरीद के लाने के एक सप्ताह में नाव को तैयार हो जाता है । नाव बनाने में ग्रामीण निपुण है। एक नाव बनाने में उन्हें 25 से 30 हजार तक का खर्च आ जाता है। हालांकि लोग अपने जरूरत के लिए नाव बनाते हैं। नाव बनाकर बेचने का काम नहीं करते हैं।

सामूहिक प्रयास की भावना है चंद्रयान-3 : सोनिया

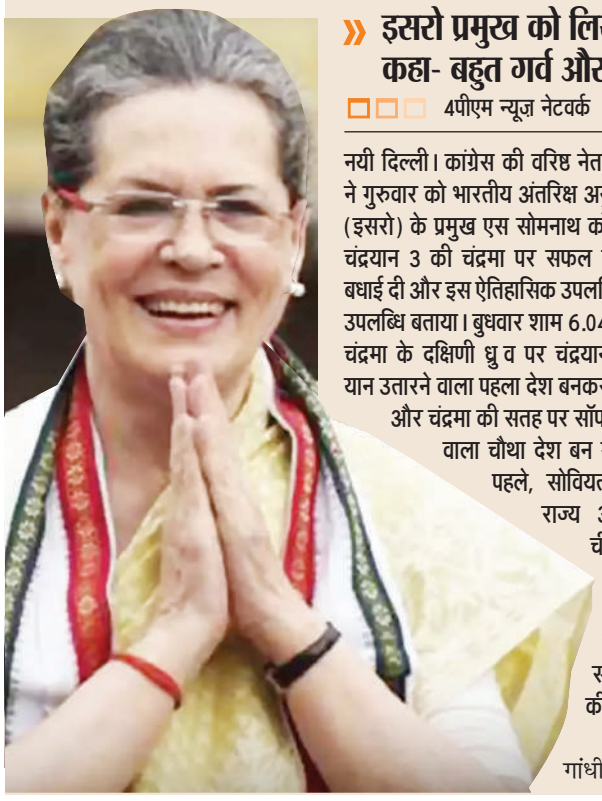

» इसरो प्रमुख को लिखा पत्र कहा- बहुत गर्व और उत्साह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने गुरुवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ को पत्र लिखकर चंद्रयान 3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग के लिए बधाई दी और इस ऐतिहासिक उपलब्धि को शानदार उपलब्धि बताया। बुधवार शाम 6.04 बजे, भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान -3 अंतरिक्ष यान उतारने वाला पहला देश बनकर इतिहास रचा, और चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बन गया। भारत से पहले, सोवियत संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन ही तीन देश थे जिन्होंने चंद्रमा पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग की थी।

सोनिया गांधी ने सोमनाथ को लिखे पत्र में कहा, मैं आपको अवगत कराना चाहती हूं कि बीती शाम इसरो द्वारा हासिल की शानदार उपलब्धि से मैं बहुत प्रसन्न हुई। यह सभी भारतवासियों, खासकर युवाओं के लिए गर्व और उत्साह का विषय है। उन्होंने कहा, बीते कई दशकों से इसरो की शानदार क्षमताओं का निर्माण हुआ है। इसके पास हमेशा बेहतरीन नेतृत्वकर्ता रहे और सामूहिक प्रयास की भावना रही, जिसने इसे (इसरो) हमेशा आगे बढ़ाया। सोनिया गांधी के अनुसार, इसरो 1960 के दशक से आत्मनिर्भरता के आधार पर आगे बढ़ा जिसका इसकी सफलता में बड़ा योगदान रहा। उन्होंने कहा कि इस मौके पर वह इसरो के प्रत्येक सदस्य को बधाई देती हैं।

वैज्ञानिकों को पूरा श्रेय : ममता बनर्जी

सीएम ममता बनर्जी ने कहा, पश्चिम बंगाल के लोगों की ओर से, मैं इसरो को अपनी अग्रिम बधाई भेजती हूं। वैज्ञानिकों को श्रेय मिलना चाहिए, श्रेय देश को जाना चाहिए, जब राकेश शर्मा चंद्रमा पर उतरे, तो पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने उनसे पूछा कि वहां से भारत कैसा दिख रहा है, भारतीय वायु सेना के पायलट राकेश शर्मा 1984 में सोवियत संघ के सोयुज टी-11 अभियान के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने। अंतरिक्ष यात्री ने एक लाइव टेलीविज़न समाचार सम्मेलन के दौरान अंतरिक्ष से तत्कालीन प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी से बात की। इंदिरा गांधी ने तब राकेश शर्मा से पूछा, कि

ऊपर से भारत कैसा दिखता है आपको? (अंतरिक्ष से भारत कैसा दिखता है?) उन्होंने कवि इकबाल की फेमस लाइनों का जिक्र करते हुए जवाब दिया और कहा, सारे जहां से अच्छा (सारी दुनिया से बेहतर)।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का सपना साकार हुआ : शफीकुर्रहमान

सपा सांसद डॉ शफीकुर्रहमान बर्क ने भी चंद्रयान-3 की सफलता पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मिशन मून की कामयाबी के लिए मैंने दुआ की थी। इसरो के वैज्ञानकों को मुबारकबाद देता हूं। सपा सांसद ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम आजाद का आज सपना साकार हुआ, उन्होंने कहा कि अब्दुल कलाम की आत्मा को और सुकून मिलेगा,संभल से सपा सांसद डॉ शफीकुर्रहमान बर्क तीखे बयानों की वजह से जाने जाते हैं, तीखे बयानों के कारण कई बार सपा सांसद विवादों में भी घिर चुके हैं, चंद्रयान 3 की सफलतापूर्वक और सुरक्षित लैंडिंग पर उन्होंने खुशी जताई। सपा सांसद ने कहा कि भारत ने चांद पर ऊंची छलांग लगाई है। उन्होंने मिशन मून की सफलता का श्रेय इसरो के वैज्ञानिकों को दिया। सपा सांसद ने कहा इसरो के वैज्ञानिकों समेत देशवासियों को भी शुभकामनाएं दीं। सपा सांसद ने कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों ने भारत का नाम देश और दुनिया में रोशन किया है। इसलिए मिशन मून की सफलता का श्रेय इसरो के वैज्ञानिकों को जाता है। सपा सांसद ने कहा कि देश में इस समय अफरा तफरी फैली हुई है। नफरत की लहर से देश अछूता नहीं रहा। सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने कहा कि हमारी कामना है कि देश आगे बढ़े और तरक्की करे और नफरत की बजाय मोहब्बत कायम हो। बता दें कि चांद पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग होने के बाद भारत दुनिया का चौथा देश बन गया है।

मंत्री जी ने नियमों को रख दिया ताक पर

दिव्यांगों के रैंप पर चढ़ाकर गाड़ी रेलवे प्लेटफार्म तक घुसा दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह लेट हो रहे थे तो ट्रेन पकड़ने के लिए अपनी कार रेलवे प्लेटफार्म के अंदर घुसा दी। इससे वहां मौजूद यात्रियों में अफरातफरी मच गई। यूपी सरकार में मंत्री धर्मपाल सिंह को पंजाब मेल से लखनऊ से बरेली जाना था।

उन्हें देर हो रही थी तो ट्रेन पकड़ने के लिए उनकी फॉर्च्यूनर कार को दिव्यांगों को लिए बने रैंप से चढ़ाकर अंदर घुसा दिया गया। उनकी कार तब तक प्लेटफार्म पर मौजूद रही जब तक कि वह हावड़ा-अमृतसर मेल में बैठकर रवाना नहीं हो गए। इसे लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि अच्छा हुआ ये बुलडोज़र से स्टेशन नहीं गये थे...। नियमों के अनुसार, केवल पैदल यात्री ही रैंप से होते हुए एस्केलेटर का उपयोग कर सकते हैं। जबकि मंत्री जी के लिए सभी नियमों को ताक पर रख दिया गया।

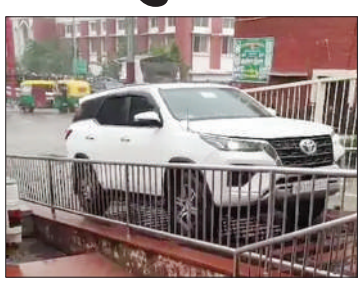

नूंह हिंसा के एक और आरोपी की पुलिस से मुठभेड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नूंह। हरियाणा की नूंह पुलिस की एक और बड़ी कामयाबी मिली है। नूंह हिंसा में शामिल एक और आरोपी को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के पैर में गोली लगी है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, निरीक्षक विमल, प्रबंधक थाना साइबर क्राइम नूंह के नेतृत्व में गठित टीम ने नूंह हिंसा में संलिप्त आरोपी ओसामा उर्फ पहलवान निवासी फिरोजपुर नमक (नूंह) को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की गोली लगने से आरोपी घायल हो गया है। इलाज के लिए आरोपी को नल्हड़ मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी नल्हड़ आगजनी में वांछित था। आरोपी के पास से एक अवैध देशी कट्टा, एक खाली रौंद और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस ने उजीना नहर नाले के पास से मुठभेड़ के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी गांव फिरोजपुर नमक से आली मेव जा रहा था।

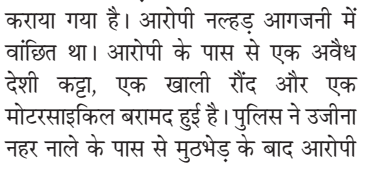

अब तक 285 पकड़े

नूंह हिंसा में शामिल दंगाइयों को गिरफ्तार करने में पुलिस की धरपकड़ लगातार जारी है। पुलिस की कई टीमें हिंसा से जुड़े आरोपियों की पहचान करने में जुटी हैं। इसी कड़ी में नूंह पुलिस ने 5 और आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। अब नूंह पुलिस ने ब्रज मंडल हिंसा मामले में 61 एफआईआर दर्ज करते हुए 285 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

जताई खुशी

आज प्रातः काल सरस्वती शिशु /विद्या मंदिर इंटर कालेज इन्दिरा नगर लखनऊ के भैया/बहनों ने चंद्रयान-3 की गौरवपूर्ण सफलता के उपलक्ष्य में इसरो तथा भारतीय वैज्ञानिकों के स्वागत एवं अभिनन्दन हेतु घोष के साथ पथ संचलन निकाला। संचलन में सभी भैया बहनों, आचार्य,आचार्या , अभिभावक गण,समाज के गणमान्य व्यक्ति, नगर संघ चालक विष्णु जी, विद्यालय के प्रबंधक मदन मोहन गुप्त एवं प्रधानाचार्य गोपाल राम मिश्र ने भी सहभाग किया।

फोटो: 4 पीएम

शुभमन गिल ने विराट कोहली को पीछे छोड़ा

» वनडे रैंकिंग में लगाई छलांग, चौथे स्थान पर आए

» टेस्ट में अश्विन गेंदबाजों व जडेजा हरफनमौलाओं में शीर्ष पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शुभमन गिल आईसीसी वनडे क्रिकेट बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक पायदान चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर रवि बिश्नोई की टी20 रैंकिंग में सुधार आया है। भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल आईसीसी एक दिवसीय क्रिकेट बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक पायदान चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए जबकि तेज गेंदबाज

जसप्रीत बुमराह और स्पिनर रवि बिश्नोई की टी20 रैंकिंग में सुधार आया है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पहले वनडे के बाद आईसीसी द्वारा जारी रैंकिंग में गिल के 743 रेटिंग अंक है और वह भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले बल्लेबाज हैं। आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला में भारत की कप्तानी कर रहे बुमराह सात पायदान चढ़कर 84वें स्थान पर पहुंच गए जबकि बिश्नोई 17 पायदान चढकर 65वें स्थान पर हैं। बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ 143 पायदान चढ़कर 87वें स्थान पर हैं। सूर्यकुमार यादव टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। वनडे में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम पहले और इमाम उल हक तीसरे स्थान पर हैं। भारत के विराट कोहली नौवें और कप्तान रोहित शर्मा 11वें स्थान पर बने हुए हैं। टेस्ट में भारतीय स्पिनर आर अश्विन गेंदबाजों में और रविंद्र जडेजा हरफनमौलाओं में शीर्ष पर हैं।

भारतीय कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द

विश्व कुश्ती संघ (यूनाइडेट वर्ल्ड रेसलिंग) ने भारतीय कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द कर दी है। भारतीय कुश्ती संघ में चुनाव नहीं होने की वजह से यह कार्रवाई की गई है। कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द होने के चलते आगामी विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय पहलवान भारत के झंडे के तले नहीं खेलेंगे। भारतीय पहलवानों को 16 सितंबर से शुरू होने वाली ओलंपिक-क्वालीफाइंग विश्व चैंपियनशिप में न्यूट्रल एथलीट के रूप में भाग लेना होगा। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का कार्यकाल काफी पहले ही खत्म हो चुका है। इसके बाद कुश्ती संघ में चुनाव कराने के कई प्रयास किए गए और सुप्रीम कोर्ट ने कई बार चुनाव की तारीखें तय की, लेकिन अलग-अलग हाईकोर्ट अलग-अलग राज्य के कुश्ती संघों की याचिका के आधार पर चुनाव में रोक लगाते रहे हैं।

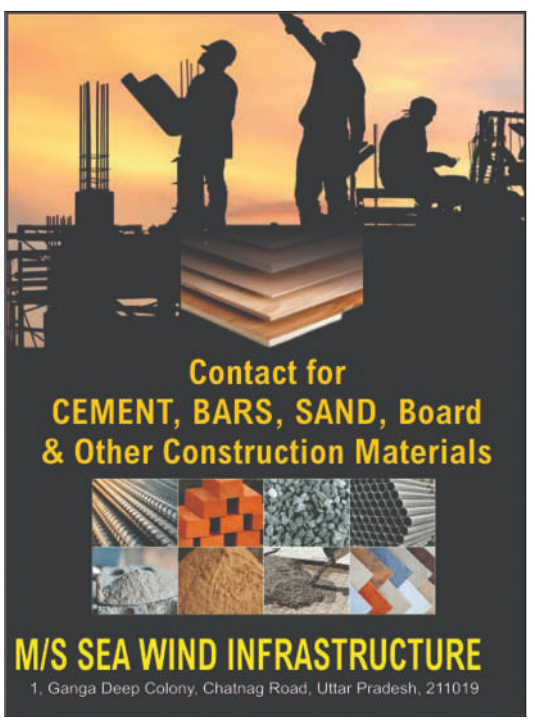

हिमाचल में फिर हुआ भूस्खलन 12 लोगों की मौत

शिमला समेत छह जिलों में 'रेड अलर्ट'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में पिछले दो महीमों में भारी तबाही देखी गयी हैं। बादल फटने के कारण मनाली जैसा हिल स्टेशन जो पूरी तरह से कमर्शियल था, बर्बाद हो गया। इसके बाद अगस्त में हिमाचल के अलग अलग हिस्सों में जमीन धंसी, भूस्खलन हुआ। कई जगहों पर बादल फटे, इस तरह से खूबसूरत हिमाचल की सूरत पूरी तरह से बर्बाद हो गयी।

ताजा घटना में एक बार फिर हिमाचाल में भूस्खलन हुआ जिसमें 12 लोगों की मौत हो गयी। हिमाचल प्रदेश में बीती रात हुई भारी बारिश के बाद भूस्खलन की घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई और कुछ मकानों के क्षतिग्रस्त होने के अलावा 400 से अधिक सड़कें अवरूद्ध हो गईं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान राज्य के 12 में से छह जिलों में भारी से भीषण बारिश और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भीषणतम बारिश होने का अनुमान जताते हुए बुधवार को 'रेड अलर्ट' जारी किया। इस मॉनसून में भारी बारिश के तीन बड़े दौरों के बाद राज्य में कुल 709 सड़कें बंद हो गई हैं। भारी बारिश के कारण प्रदेश में बड़ पैमाने पर विनाश एवं मौत की घटनाएं हुयी हैं।

लोग सतर्क रहें : सीएम

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भारी बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। प्रदेश के शिमला,मंडी और सोलन जिलों में बुधवार से दो दिनों के लिए सभी स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं।

सहारनपुर नदी हादसे में मरने वालों की संख्या पहुंची 9

सहारनपुर में बुधवार को हुए हादसे में अब तक कुल नौ लोगों की मौत हो चुकी है। 15 साल का एक बच्चा अभी भी लापता है। आज पांच लोगों के शव और बरामद हुए हैं। कुल संख्या 9 हो गई है अभी एक और लापता है।श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली नदी में पलटने का मामला। हादसे में अब तक 9 लोगों की हुई मौत।नदी में तेज बहाव के चलते कई लापता होंगे थे। राहत टीम अभी भी चला रही रेस्क्यू कार्य। महिलाओं और 4 बच्चों समेत 9 की मौत।एक ओर लापता,तलाश जारी। ट्रैक्टर ट्रॉली में दर्जनों श्रद्धालु सवार थे। देहात कोतवाली क्षेत्र बोंदकी गांव की घटना।

ब्रिक्स में सऊदी अरब समेत छह देशों को मिली एंट्री

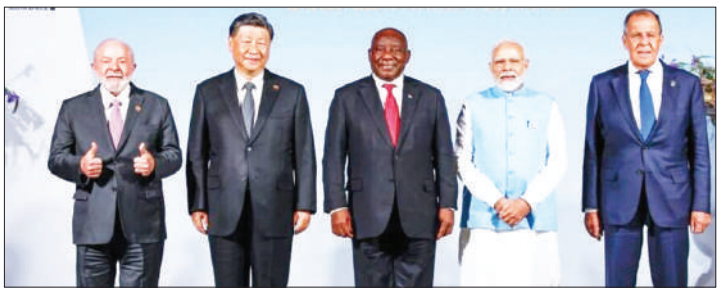

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीजिंग। ब्रिक्स में छह नए देश शामिल होंगे। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने नए सदस्यों के शामिल होने का एलान किया। जिन सदस्यों को शामिल किया जाएगा, उनमें मिस्र, सऊदी अरब, यूएई, इथियोपिया, अर्जेंटीना और ईरान शामिल हैं। ये सभी जनवरी 2024 से आधिकारिक सदस्य होंगे।

समूह के नेताओं द्वारा मीडिया ब्रीफिंग में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमने ब्रिक्स के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुझे विश्वास है कि हम समूह के नए सदस्य देशों के साथ काम करके ब्रिक्स को नई गतिशीलता दे पाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि हमारी टीमें ब्रिक्स के विस्तार के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों, मानकों, मानदंडों, प्रक्रियाओं पर एक साथ सहमत हुई हैं। उन्होंने कहा, ब्रिक्स के विस्तार का निर्णय बहु ध्रुवीय दुनिया में कई देशों के विश्वास को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा ब्रिक्स के विस्तार का पूरा समर्थन किया है। उसका मानना है कि नए सदस्यों के जुड़ने से समूह और मजबूत होगा। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा कि ब्रिक्स के विस्तार से समूह के सहयोग तंत्र को नई गति मिलेगी। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में समूह के नेताओं के शिखर सम्मेलन में शी ने कहा कि इस विस्तार ने एकता और सहयोग के लिए ब्रिक्स के दृढ़ संकल्प को प्रतिबिंबित किया है। ब्रिक्स देशों के समूह ने छह देशों अर्जेंटीना, मिस्र, ईरान, इथियोपिया, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को ब्लॉक का नया सदस्य बनने के लिए आमंत्रित करने का निर्णय लिया है।

सुप्रीम कोर्ट से निकोबार के पूर्व मुख्य सचिव को राहत

जमानत के खिलाफ याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जस्टिस विक्रम नाथ और ए अमानुल्लाह की पीठ ने कहा ने कहा कि हमने सभी याचिकाएं खारिज कर दी हैं। न्यायमूर्ति नाथ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि हमने ट्रायल कोर्ट को सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया है, जिसमें संबंधित पक्षों द्वारा पूरा सहयोग दिया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बलात्कार के एक मामले में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पूर्व मुख्य सचिव जितेंद्र नारायण को दी गई जमानत को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज कर दीं। नारायण को 20 फरवरी को कलकत्ता उच्च न्यायालय की पोर्ट ब्लेयर सर्किट पीठ ने जमानत दे दी थी। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय द्वारा दी गई जमानत के खिलाफ राज्य और शिकायतकर्ता महिला द्वारा दायर अपील पर अपना फैसला सुनाया। जस्टिस विक्रम नाथ और ए अमानुल्लाह की पीठ ने कहा ने कहा कि हमने सभी याचिकाएं खारिज कर दी हैं।

न्यायमूर्ति नाथ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि हमने ट्रायल कोर्ट को सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया है, जिसमें संबंधित पक्षों द्वारा पूरा सहयोग दिया जाएगा।

बीपीएससी की परीक्षा में उमड़ी परीक्षार्थियों की भीड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में गुरुवार से शिक्षक भर्ती की परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की ओर से आयोजित शिक्षक भर्ती परीक्षा की पहली पाली में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक जांच नहीं ली गई। इससे नाराज छात्रों ने परीक्षा खत्म होने के बाद जमकर हंगामा किया। यह मामला शेखपुरा नगर परिषद क्षेत्र के अभ्यास मध्य विद्यालय परीक्षा केंद्र और गया कॉलेज परीक्षा केंद्र का है।

हंगामा कर रहे अभ्यर्थियों का कहना है कि बीएससी ने बायोमेट्रिक से हाजिरी लगाने की बात कही थी, लेकिन परीक्षा केंद्र पर दर्जनों छात्रों की बायोमेट्रिक से हाजिरी नहीं लगाई गई है। छात्रों ने बाद में प्रशासनिक पदाधिकारियों से भी इसकी शिकायत की। हंगामा कर रहे छात्र अजय, अमन, कुंदन व राजीव ने आरोप लगाया कि परीक्षा के दौरान बीएससी के दिशा निर्देशों का पालन नहीं किया गया है। बायोमेट्रिक से हाजिरी नहीं लगाई गई है। छात्रों ने आशंका जताई कि परीक्षा में गड़बड़ी की जा रही है। उनके साथ कुछ गलत हो सकता है। बायोमेट्रिक नहीं लिए जाने से नाराज छात्रों ने पहली पाली की परीक्षा खत्म होने के बाद जमकर हंगामा किया। अधिकारियों को भी इसकी सूचना दी।

'पीएम स्वनिधि' योजना के कार्यक्रम में बोले सीएम योगी

नीयत साफ होगी तो सफलता निरंतर मिलेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ आज राजधानी लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में 'पीएम स्वनिधि' एवं 'स्वयं सहायता समूह ऋ ण योजना' के अंतर्गत 11,000 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया। जहां सीएम योगी ने उन्हें ई स्वनिधि योजना का शुभारंभ किया।

इस कार्यक्रम का आयोजन पंजाब नेशनल बैंक के सहयोग से किया जा रहा है। ऋण वितरण कार्यक्रम में सीएम योगी ने संबोधित करते हुए कहा कि मोदी जी ने अभिनव योजना शुरू की. रेहड़ी-पटरी व्यसायियों को लोन दिया। पीएम स्वनिधि योजना से बहुत मदद मिली। किसी को साहूकार के पास जाना नहीं पड़ा। नीयत साफ होगी तो सफलता निरंतर मिलेगी।

मुक्त लोन वितरित किया गया। उन्होंने कहा कि 11 हजार लाभार्थियों को लोन वितरित किया गया। आज जरूरतमंदों को ब्याजमुक्त लोन मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि कोरोना काल में बहुत मदद हुई। जिन लोगों ने लोन लिया चुका भी दिया। पीएम मोदी ने आम आदमी की परेशानी को समझा। लाभार्थियों को 5 लाख की बीमा योजना का लाभ मिला. संवेदनशील सरकार गरीब की संवेदना समझती है। पंजाब नेशनल बैंक के अध्यक्ष अतुल कुमार गोयल ने कहा कि पीएनबी 10 हजार से अधिक शाखाओं से सेवा दे रहा है। बैंकिंग की 12 प्रतिशत सेवा पीएनबी दे रहा है। पीएम स्वनिधि योजना में प्रदेश में 2 लाख से अधिक वेंडर्स को लोन दिया है, वेंडर्स को बैंक के चक्कर नहीं लगाने पड़े इसके लिए डिजिटल प्लेटफार्म बनाया गया है। पीएनबी यूपी को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में पूरा सहयोग करेगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।